भागीरथी बाल शिक्षा सदन सी० स्कूल
विषय – हिन्दी (व्याकरण)
कक्षा – IX
(सत्र - 2020-21)

निर्देश :-

1. अध्यापिका द्वारा दिए जाने वाले गृह - कार्य को गत - वर्ष की रिक्त पुस्तिका अथवा नई कॉपी या रजिस्टर खरीदकर अपना कार्य करें।
2. लेख - स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

पाठ-1 शीर्षक – अपठित गद्यांश

विचारणीय बिंदु – • अपठित बोध मे प्राय: विद्यार्थियों से ऐसे गद्यांश या काव्यांश पूछे जाते हैं, जो उन्होंने पहले न पढ़े हों।

• सर्वप्रथम दिए गए अपठित गद्यांश / काव्यांश को कई बार ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके मूलभाव को समझें। इससे अर्थग्रहण की शक्ति का विकास होगा तथा अवतरण से संबंधित प्रश्नों को हल करने की क्षमता बढ़ेगी।

• अपठित गद्यांश / काव्यांश के विषय में विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। इसमे किसी वाक्य एवं वाक्यांश का आशय, नए शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों का अर्थ भी पूछा जा सकता है। अत: प्रसंगानुसार ही सही अर्थ या / उत्तर लिखें।

(गद्यांश हल सहित)

जीवन रुकने का नहीं चलते रहने का नाम है। कुछ लोग असफलता की अवस्था में निराश होकर अपने उत्साह का दामन छोड़ बैठते हैं। वे भूल जाते हैं कि परिश्रम एवं प्रयत्न मे तो भाग्य को भी बदल देने की क्षमता रहती है। मनुष्य इस संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। अत: उसे अपना जीवन सार्थक बनाने के लिए आशा का सहारा लेना चाहिए, आलसी बनकर समय व्यर्थ करना अपने साथ अन्याय करना है। हमें अपने साधनों एवं क्षमताओं का प्रयोग कर प्रगति के पथ पर बढ़ना चाहिए। हमें भावात्मक कार्य की अपेक्षा रचनात्मक कार्य करना चाहिए। दुख में घबराना कायरता का प्रतीक है।

हर शाम को सूरज ढलना ही है। रात को आना ही है तो क्या अँधेरे में हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहा जाए या उठकर एक दीपक जला लें। सूर्य के समक्ष दीपक की क्या बिसात! पर एक दीपक भी पर्याप्त है एक घर को रोशन कर देने के लिए।

प्रश्न

प्र०1 :- जीवन किसका नाम है?
उ० :- निरंतर कर्मरत रहने का।
प्र०2 :- असफलता की स्थिति में, व्यक्ति का क्या कर्त्तव्य है?
उ० :- आशावादी बनकर निरंतर परिश्रम करें।
प्र०3 :- प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए क्या आवश्यक है?
उ० :- अपनी क्षमताओं व साधनों का समुचित प्रयोग।
प्र०4 :- लेखक के अनुसार भावात्मक और रचनात्मक कार्यों में ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है?
उ० :- रचनात्मक कार्य।
प्र०5 :- 'एक दीपक भी पर्याप्त है घर को रोशन करने के लिए' - पंक्ति से क्या आशय है -
उ० :- पंक्ति का आशय - अँधेरा दूर करने का प्रयास।

सभी विद्यार्थी विचारणीय बिंदु और हल सहित गद्यांश को अपनी कापी में करें।

गृह- कार्य

उपरोक्त उदाहरण के अनुसार विद्यार्थी गृह-कार्य में दिए गए गद्यांशों को अपनी उत्तर पुस्तिका में करें। व लेख स्वच्छता का भी ध्यान रखें।

Scanned with CamScanner

गृह - कार्य

5. नैतिक शिक्षा व्यक्ति में सहज मानवीय गुणों को उजागर करने में निश्चय ही बहुत अधिक सहायक हो सकती है। वह संयम, अनुशासन, चारित्रिक दृढ़ता, निर्भरता, अटूटता आदि का संचार कर सकती है। नैतिक शिक्षा ही हमें यह सिखा सकती है कि जीवन और समाज में किस व्यक्ति का क्या स्थान और महत्त्व है? समाज में सामूहिक और वैयक्तिक स्तर पर कब, कहाँ हमारा आचरण-व्यवहार कैसा रहना चाहिए? कहाँ हमें झुकना है और कहाँ हमें अपने मूल्यों पर अड़ या डट जाना चाहिए? यह एक निर्भ्रांत सत्य है कि जीवन, समाज, देश तथा राष्ट्र व्यक्तियों के आचरण और व्यवहार से ही बनता है। समाज में व्यक्ति अपने आचरण से ही पहचाना जाता है। साथ ही, यह भी निर्भ्रांत और परीक्षित सत्य है कि व्यक्ति के सदाचार और व्यवहार का निर्माण उसकी प्रत्यक्ष-परोक्ष शिक्षा द्वारा ही होता है। शिक्षा भी ऐसा तभी कर सकती है, जब उसके कुछ अपने नैतिक मान और मूल्य हों। कोश से शब्द-ज्ञान करा देना या कुछ विषयों को रटा देना ही तो शिक्षा नहीं है न! उसका वास्तविक प्रयोग तो मनुष्य में मनुष्यता का विकास करना है। यह विकास ही नैतिकता की प्रतिष्ठा है, जिसके अभाव में सुशिक्षा भी कुशिक्षा जैसी ही है।

(i) नैतिक शिक्षा मानवीय गुणों को उजागर करने में कैसे सहायक हो सकती है?

(ii) शिक्षा का वास्तविक कार्य क्या है?

(iii) समाज में व्यक्ति की पहचान कैसे बनती है?

(iv) मनुष्य में मनुष्यता का विकास करना किसकी प्रतिष्ठा है?

(v) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

6. मनुष्य संसार का एक श्रेष्ठ प्राणी है। ईश्वर ने उसे चिंतन और मनन की अद्भुत शक्ति प्रदान की है। वह जिस संसार में रहता है, उसके आधार पर वह एक और संसार बसा लेता है। वह संसार उसके सपनों का संसार होता है। प्रत्येक मनुष्य के सामने कुछ आदर्श होते हैं, उनकी महत्त्वाकांक्षाएँ होती हैं, जिनको वह अपने जीवन में साकार करने के लिए उतावला हो जाता है। हर एक व्यक्ति अपनी-अपनी रुचि के अनुसार अपना-अपना लक्ष्य निर्धारित करता है। कोई डॉक्टर बनने की इच्छा से प्रेरित है, तो कोई इंजीनियर बनने के सपने साकार करना चाहता है। कोई उद्योगपति बनकर देश का उद्धार करना चाहता है। कोई अभिनेता बनना चाहता है और देश के जन-जीवन के पटल पर छाकर अपनी प्रशंसा पाना चाहता है। कोई स्कूल खोलकर इस अंधी दुनिया को प्रकाश देना चाहता है। भाव यह है कि संसार में कोई भी मनुष्य ऐसा नहीं है, जो कुछ-न-कुछ न बनना चाहे। ध्येय अथवा लक्ष्य के बिना जीवन निरर्थक है। ध्येयहीन जीवन ऐसा ही है, जैसे कोई नाविक बिना पतवार और डाँड़ों के नाव को समुद्र में भाग्य के भरोसे छोड़ दे। उसका परिणाम भयंकर ही होगा। जीवन में लक्ष्य का चुनाव अपनी इच्छाओं एवं अपने साधनों के अनुरूप करना चाहिए। ध्येय चुनते समय स्वार्थ और परमार्थ में समन्वय रखना चाहिए। अपनी रुचि एवं प्रवृत्ति को भी सामने रखना चाहिए। यह विश्वास रखना आवश्यक है कि जो लक्ष्य उसने चुना है, वह स्वयं उसके लिए महान हो, भले ही लोग उसे सामान्य मानें।

(i) मनुष्य संसार का श्रेष्ठ प्राणी क्यों है?

(ii) ध्येय अथवा लक्ष्य के बिना जीवन निरर्थक है। कैसे?

(iii) ध्येय चुनते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(iv) 'समन्वय' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए।

(v) 'संसार' शब्द का पर्याय शब्द बताइए।

7. व्यक्ति के जीवन में संतोष का बहुत महत्त्व है। संतोषी व्यक्ति सुखी रहता है। असंतोष सब व्याधियों की जड़ है। महात्मा कबीर ने कहा है कि धन-दौलत से कभी संतोष नहीं मिलता। संतोष रूपी धन मिलने पर समस्त वैभव धूल के समान प्रतीत होते हैं। व्यक्ति जितना अधिक धन पाता जाता है, उतना ही उसमें असंतोष उपजता जाता है। यह असंतोष मानसिक तनाव उत्पन्न करता है, जो अनेक रोगों की जड़ है। धन व्यक्ति को उलझनों में फँसाता जाता है। साधु को संतोषी बताया गया है क्योंकि भोजन मात्र की प्राप्ति से ही उसे संतोष मिल जाता है। हमें भी साधु जैसा होना चाहिए। हमें अपनी इच्छाओं को सीमित रखना चाहिए। जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती हैं, तो हमारा मन असंतुष्ट हो जाता है। सांसारिक वस्तुएँ हमें कभी संतोष नहीं दे सकतीं। संतोष का संबंध मन से है। संतोष सबसे बड़ा धन है। इसके सम्मुख सोना, चाँदी, रुपया, पैसा सब व्यर्थ हैं।

(i) किसी व्यक्ति के जीवन में संतोष का क्या महत्त्व है?

(ii) असंतोष की प्रवृत्ति रहने से क्या होता है?

(iii) गद्यांश के अनुसार, हमें साधु जैसा क्यों होना चाहिए?

(iv) संतोष का संबंध किससे है?

(v) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?

Scanned with CamScanner